विकास ढोली, कला, जीवन और विज्ञान: सौंदर्य, भाव और संस्कृति का संगम, कला समीक्षा , खंड 1, *अंक*.3 (*जून* 2025), *पृ. 30*-31

कला, जीवन और विज्ञान: सौंदर्य, भाव और संस्कृति का संगम

विकास ढोली*

कला, जीवन और विज्ञान–ये तीनों हमारे अस्तित्व के ताने-बाने से गहराई से जुड़े हुए हैं। अक्सर इन्हें अलग-अलग और विरोधी क्षेत्रों के रूप में देखा जाता है, जहाँ विज्ञान को तर्क और तथ्यों से, और कला को भावना और कल्पना से जोड़ा जाता है। लेकिन अगर हम इन्हें ध्यान से देखें तो पाएंगे कि ये एक-दूसरे से गुंथे हुए हैं। कला हमें जीवन के सौंदर्य को समझने की दृष्टि देती है, विज्ञान हमें उसके रहस्यों को खोलने के लिए साधन देता है, और इन दोनों के बीच हमारा जीवन एक पुल का काम करता है, जहाँ इन दोनों के अनुभव और ज्ञान का संगम होता है।

कला और विज्ञान: एक ही सिक्के के दो पहलू

कला और विज्ञान दोनों का मूल उद्देश्य है **दुनिया को समझना और उसे व्यक्त करना**। जहाँ विज्ञान तर्कों, प्रयोगों और तथ्यों के माध्यम से ब्रह्मांड के नियमों को खोजता है, वहीं कला भावनाओं, कल्पना और प्रतीकों के माध्यम से मानवीय अनुभवों को व्यक्त करती है।

- **सृजनात्मकता (Creativity):** दोनों क्षेत्रों में **सृजनात्मकता** की आवश्यकता होती है। एक वैज्ञानिक जब कोई नया सिद्धांत गढ़ता है या कोई आविष्कार करता है, तो वह भी एक कलाकार की तरह कल्पनाशील होता है। वह अज्ञात की सीमाओं को पार करने और नए समाधान खोजने का प्रयास करता है। इसी तरह, एक कलाकार जब कोई उत्कृष्ट कलाकृति बनाता है, तो वह भी किसी वैज्ञानिक की तरह अपनी सामग्री और तकनीक के गुणों को समझता है, और उन्हें नियंत्रित करने का प्रयास करता है। पुनर्जागरण के महान कलाकार **लियोनार्डो दा विंची** इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं–वे एक महान चित्रकार, मूर्तिकार और वास्तुकार होने के साथ-साथ एक महान वैज्ञानिक, आविष्कारक और शरीर-रचना विज्ञानी भी थे। उन्होंने कला और विज्ञान को एक साथ देखा और दोनों को एक दूसरे से प्रेरित किया।
- **अवलोकन (Observation):** दोनों के लिए **अवलोकन** एक महत्वपूर्ण कौशल है। एक वैज्ञानिक को प्रकृति, सूक्ष्मजीवों या अंतरिक्ष का बारीकी से अध्ययन करना होता है ताकि वह कोई पैटर्न या सिद्धांत खोज सके। वहीं, एक कलाकार को भी अपने परिवेश, लोगों के भावों, प्रकृति के रंगों और प्रकाश को गहराई से देखना होता है ताकि वह उन्हें अपनी कला में उतार सके। दोनों ही अपनी दुनिया को समझने और उसे फिर से बनाने के लिए गहन अवलोकन पर निर्भर करते हैं।
- **सौंदर्य (Beauty):** विज्ञान और कला दोनों में **सौंदर्य** का अपना स्थान है। भौतिकी में गणित के समीकरणों की सादगी, ब्रह्मांड की संरचना की समरूपता या DNA की दोहरी हेलिक्स संरचना में भी एक अद्भुत सौंदर्य होता है, जिसे वैज्ञानिक अनुभव करते हैं। यह सौंदर्य उन्हें और अधिक खोज करने के लिए प्रेरित करता है। इसी तरह, कला हमें जीवन और प्रकृति के सौंदर्य का अनुभव कराती है, चाहे वह सूर्यास्त का रंग हो या किसी संगीत का भावपूर्ण स्वर।

विकास ढोली, कला, जीवन और विज्ञान: सौंदर्य, भाव और संस्कृति का संगम, कला समीक्षा , खंड 1, *अंक*.3 (*जून* 2025), *पृ. 30*-31

कला, विज्ञान और जीवन का संगम

यह संगम हमारे दैनिक जीवन और संस्कृति में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।

- **वास्तुकला (Architecture):** वास्तुकला इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। एक भवन की सुंदरता (कला) उसके डिजाइन, अनुपात और बनावट में निहित होती है, लेकिन उसका निर्माण इंजीनियरिंग, भौतिक विज्ञान और सामग्री विज्ञान (विज्ञान) के सिद्धांतों पर आधारित होता है। यह दोनों का संगम है जो हमें रहने योग्य, सुरक्षित और सौंदर्यपूर्ण स्थान देता है (जीवन)। प्राचीन पिरामिडों से लेकर आधुनिक गगनचुंबी इमारतों तक, यह संगम हर जगह मौजूद है।
- **डिजिटल कला और मीडिया:** आज के युग में डिजिटल कला, एनिमेशन, वीडियो गेम और विशेष प्रभाव (special effects) जैसे क्षेत्र विज्ञान और कला के सीधे सहयोग से पनपे हैं। कंप्यूटर प्रोग्रामिंग और एल्गोरिदम (विज्ञान) का उपयोग करके कलाकार ऐसे दृश्य और अनुभव बनाते हैं जो पहले कभी संभव नहीं थे (कला)। यह आज के जीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है, और इसने कला को एक नए आयाम पर पहुँचा दिया है।
- **संगीत (Music):** संगीत में भी विज्ञान और कला का संगम है। ध्वनि की तरंगें, उनकी आवृत्ति, आयाम (amplitude) और प्रतिध्वनि (resonance) (विज्ञान) ही संगीत के सुर, ताल, लय और हार्मोनिक्स (कला) का आधार होती हैं। संगीतकार और संगीत वैज्ञानिक मिलकर यह समझते हैं कि विभिन्न ध्वनियाँ मानव मस्तिष्क और भावनाओं को कैसे प्रभावित करती हैं।
- **चिकित्सा कला (Medical Arts):** मेडिकल इलस्ट्रेशन, जो मानव शरीर की जटिल संरचनाओं को दर्शाती है, कला और विज्ञान का एक अनूठा मिश्रण है। यह डॉक्टरों और छात्रों को बीमारी और शरीर को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है। इसके अलावा, प्रोस्थेटिक (कृत्रिम अंग) और सौंदर्य प्रसाधन (cosmetics) का विकास भी विज्ञान और कला को जोड़ता है ताकि जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सके।

कला, जीवन और विज्ञान एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि ये एक पूर्ण और समग्र समझ बनाने के लिए एक साथ काम करते हैं। विज्ञान हमें 'क्या' और 'क्यों' का जवाब देता है, कला हमें 'कैसे महसूस करें' और 'कैसे व्यक्त करें' सिखाती है, और हमारा जीवन इन दोनों के अनुभवों को जोड़ता है। इस संगम में ही हमारी **सौंदर्य की समझ, भावनात्मक गहराई और सांस्कृतिक पहचान** का विकास होता है। इन तीनों को अलग करके नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखकर ही हम अपने अस्तित्व के रहस्य को पूरी तरह से समझ सकते हैं।